1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के किन-किन रूपों का बखान करती है? क्रम से लिखिए।

उत्तर:- पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के निम्न रूपों का बखान करती है –
बादशाह, गरीब व दरिद्र आदमी, मालदार, एकदम कमज़ोर मनुष्य का, स्वादिष्ट भोजन करनेवाले का, सूखी रोटियाँ चबानेवाला मनुष्य का।

---

2. चारों छंदों में कवि ने आदमी के सकारात्मक और नकारात्मक रूपों को परस्पर किन-किन रूपों में रखा है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:-

सकारात्मक रूप	नकारात्मक रूप
बादशाह	दीन-दरिद्र
धन-दौलत से मालामाल	कमज़ोर
स्वादिष्ट भोजन पानेवाला	सूखी रोटियाँ चबानेवाला
मस्जिद बनानेवाला	जूतियाँ चुरानेवाला
जान न्योछावर करनेवाला	जान लेनेवाला
इमाम, खुतबाख्वा,पीर	दूसरों के पगड़ी उतारनेवाले
	कमीने स्वभाववाले

---

3. 'आदमी नामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

उत्तर:- 'आदमी नामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति धारणा बनती है कि प्रत्येक मनुष्य स्वभाव से अलग होता है। कोई अति साधन-संपन्न है तो कोई अत्यंत गरीब। मनुष्य अपने व्यवहार से अच्छा-बुरा बनता है। यहाँ पर कुछ लोग निहायती शरीफ़ होते हैं तो कुछ लोग हद दर्जे के कमीने होते हैं।

---

4. इस कविता का कौन-सा भाग आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर:- पगड़ी भी आदमी को उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो वो भी आदमी
मुझे यह पंक्तियाँ इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि इन पंक्तियों से एक तो अच्छे-बुरे दोनों तरह के आदमियों का पता चलता है और इससे हमें यह सीख भी मिलती है कि हमें किस तरह का इंसान बनना है।

---

5. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:- इस दुनिया में हर एक आदमी की प्रवृत्ति अलग होती है। कुछ लोगों की प्रवृत्ति दूसरों की मदद, भाईचारे की भावना फैलाना, सर्वस्व अर्पित करना होता है। वहीँ दूसरी ओर कुछ लोगों की प्रवृत्ति हिंसात्मक, मुसीबतें बढ़ाने वाली, गलत राह की ओर ले जाने वाली आदि होती है। लेखक के कहने का

तात्पर्य यह है कि इस संसार में विरोधाभास पाया जाता है जहाँ एक ओर मनुष्य दूसरों के दुखों का कारण बनता है वही पर दुःख निवारण भी करता है। अत:आदमी में कई तरह की प्रवृत्तियाँ पाई जाती है।

2. निम्नलिखित अंशों की व्याख्या कीजिए –

1. दुनिया में बादशाह है सो वह भी आदमी
और मुफ़लिस-ओ-गदा सो है वो भी आदमी

उत्तर:- यहाँ पर कवि मनुष्य के भिन्न-भिन्न रूपों का वर्णन करते हुए कहते हैं कि इस संसार में जो बादशाह की हैसियत रखता है वो भी इंसान ही है और जो बिल्कुल गरीब या भिखारी है वो भी आदमी ही है।

---

2. अशराफ़ और कमीने से ले शाह ता वो भी आदमी
ये आदमी ही करते हैं सब कारे दिलपजीर

उत्तर:- यहाँ पर कवि मनुष्य के भिन्न-भिन्न रूपों का वर्णन करते हुए कहते हैं कि कुछ लोग निहायती शरीफ़ तो कुछ लोग कमीने स्वभाव के होते हैं। बादशाह से लेकर वज़ीर तक सब मनमाने काम करनेवाले आदमी ही होते हैं।

3.1 निम्नलिखित में अभिव्यक्त व्यंग को स्पष्ट कीजिए –
पढ़ते है आदमी ही कुरआन और नमाज़ यां
और आदमी ही उनकी चुराते हैं जूतियाँ
जो उनको ताड़ता है सो वो भी आदमी

उत्तर:- यहाँ पर कवि मनुष्य के भिन्न-भिन्न रूपों पर व्यंग करते हुए कहते हैं मस्जिद में नमाज़ पढ़ने और सुननेवाले सभी आदमी ही होते हैं और इनकी जूतियाँ चुरानेवाले भी आदमी ही होते है और इन जैसे चोरों पर नज़र रखनेवाले भी आदमी ही होते हैं अर्थात् एक ही स्थान पर आपको अनगिनत आदमी देखने को मिल जाएँगे।

3.2 पगड़ी भी आदमी को उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो वो भी आदमी

उत्तर:- यहाँ पर कवि मनुष्य के भिन्न-भिन्न रूपों पर व्यंग करते हुए कहते हैं वह मनुष्य ही है जो दूसरों के अपमान करने का मौका नहीं छोड़ता वही दूसरी और मदद के किए पुकारनेवाला और उसकी सहायता करनेवाला भी आदमी ही है अर्थात् सभी का स्वभाव और व्यवहार अलग होता है।

---

4. नीचे लिखे शब्दों का उच्चारण कीजिए और समझिए कि किस प्रकार नुक्ते के कारण उनमें अर्थ परिवर्तन आ गया है।

राज़(रहस्य)
राज(शासन)
ज़रा(थोड़ा)
जरा(बुढ़ापा)
फ़न(कौशल)
फन(साँप का मुँह)

फ़लक(आकाश)
फलक(लकड़ी का तख्ता)
ज़ फ़ से युक्त दो-दो शब्दों को और लिखिए।
उत्तर:- ज़ – ज़मीन, मज़दूर
फ़ – रफ़्तार, फ़रक

---

5. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –
(क) टुकडे चबाना
(ख) पगड़ी उतारना
(ग) मुरीद होना
(घ) जान वरना
(ड.) तेग मारना

उत्तर:-

मुहावरे	वाक्य-प्रयोग
टुकडे चबाना	कब तक तुम माँ-पिता के टुकडे चबाते रहोगे, कुछ काम क्यों नहीं करते।
पगड़ी उतारना	तुम्हारी इन्हीं हरकतों के कारण माता-पिता की पगड़ी उतर रही है।
मुरीद होना	मैं गीतकार गुलजार साहब की मुरीद हूँ।
जान वरना	हमारे भारतीय सिपाही देश के लिए जान वरने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।
तेग मारना	राकेश ने अपने भाई को तेग मारकर घायल कर दिया।